MSME के लिये उत्तर प्रदेश शीर्ष तीन राज्यों में शामिल

चर्चा में क्यों?

रियल्टी कंसल्टिंग फर्म CBRE साउथ एशिया और रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन CREDAI की**एक रिपोर्ट के अनुसार,** देश में **कुल पंजीकृत MSME में 9% हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) **क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ता के रूप में शीर्ष तीन राज्यों में उभरा** है।

- क्षेत्र-वार, रिपोर्ट में बताया गया है कि **निर्माण क्षेत्र, सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8% का योगदान देता है** , जो भारतीय MSME के लिये एक रणनीतिक अवसर है।

मुख्य बिंदु:

- **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय** के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, **मंत्रालय के तहत 2.21 करोड़ MSME पंजीकृत हैं (** उद्यम असिस्ट पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण को छोड़कर)।
  - उत्तर प्रदेश के कई शहर **MSME क्लस्टर** के रूप में उभरे हैं, जिनमें **आगरा, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ, मेरठ और गाज़ियाबाद** उद्यम योजना के लिये नामांकन में अग्रणी हैं।
- जिनमें से **17.2% हिस्सेदारी के साथ 38.09 लाख महाराष्ट्र से थे, इसके बाद तमिलनाडु से 10% हिस्सेदारी के साथ 22.32 लाख और 9.4% हिस्सेदारी के साथ 20.95 लाख उत्तर प्रदेश से थे।**
- **16 लाख के साथ राजस्थान और 15.96 लाख MSME के साथ गुजरात** देश में पंजीकृत इकाइयों के लिये अन्य शीर्ष स्थान थे।
- सरकार, उद्योग हितधारकों और वित्तीय संस्थानों के बीच सहयोगात्मक प्रयास एक**मज़बूत समर्थन प्रणाली बनाने में सहायता कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि MSME को उभरते आर्थिक परिदृश्य** को नेविगेट करने के लिये आवश्यक संसाधन तथा मार्गदर्शन प्राप्त हो।

उद्यम पोर्टल

- यह **MSME को पंजीकृत** करने के लिये एक ऑनलाइन प्रणाली है, जिसे **1 जुलाई, 2020 को केंद्रीय MSME मंत्रालय** द्वारा शुरू किया गया था।
- यह **केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT)** और **वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (GSTN) के डेटाबेस से जुड़ा हुआ** है।
  - **GSTN एक अद्वितीय और जटिल IT उद्यम है** जो करदाताओं, केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारकों के बीच संचार एवं बातचीत का एक चैनल स्थापित करता है।
- यह **पूरी तरह से ऑनलाइन** है, इसके लिये किसी दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं होती है और यह **MSME** के लिये **ईज़ ऑफ डूइंग बिज़िनेस** की दिशा में एक कदम है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-among-top-three-states-for-msmes